

.....माह.....सन्.....को श्री
.....वर्ष निवासी.....(जिसे आगे विक्रेता कहा
गया है) एवं जो इस विलेख का प्रथम पक्षकार है तथा आत्मज
आयु.....वर्ष निवासी..... (जिसे आगे क्रेता कहा गया है) एवं जो इस विलेख का
द्वितीय पक्षकार है के बीच (ग्राम/शहर का नाम) में निष्पादित किया गया।

उक्त प्रथम पक्षकार का एक मकान है, जिसका विस्तृत विवरण नीचे अनुसूची में दिया गया है,
और जिसका कि वह पूर्ण रूपेण स्वामी होकर उसका अधिपत्यधारी है।

अनुसूची
(विक्रय किये गये मकान का पूर्ण वितरण)

और चूंकि प्रथम पक्षकार को लिये रूपयों की आवश्यकता है एवं उसने
अपनी संपत्ति को बेचकर उक्त रकम प्राप्त करने की द्वितीय पक्षकार से इच्छा व्यक्त की, जिस पर वह
सहमत हो गया।

अतएव अब यह विलेख साक्ष्यांकित करता है :-

- (1) कि उक्त क्रेता ने विक्रेता को मकान के हस्तांतरण के प्रतिफलस्वरूप रु.....की
राशि के रूप में दिनांक को अदा कर दी है जिसे विक्रेता ने स्वीकार कर
लिया है, तथा शेष राशि रु. उप पंजीयक के समक्ष दस्तावेज के
पंजीयन के समय नगद में भुगतान की जायेगी।
- (2) कि मकान सभी प्रकार के भारों एवं अभिभारों से मुक्त है तथा भविष्य में उस संपत्ति
के स्वत्व संबंधी किसी भी प्रकार के विवाद के लिये स्वयं विक्रेता उत्तरदायी होगा।
- (3) कि विक्रय-पत्र के निष्पादन के दिनांक से उक्त मकान का क्रेता पूर्ण रूप से मालिक
एवं काबिज हो गया है एवं वह स्वयं, उसका उत्तराधिकारी, दायद प्रशासक,
अभिहस्तांकित उसका उपयोग एवं उपभोग कर सकेंगे, जिसमें विक्रेता उसका दायद,
प्रशासक उत्तराधिकारी, अभिहस्तांकित किसी प्रकार की बाधा उपस्थित नहीं करेंगे।
- (4) कि विक्रय-पत्र के निष्पादन की दिनांक से अब क्रेता उक्त मकान किसी को भी
अंतरित कर सकेगा, अभिहस्तांतरित कर सकेगा एवं दे सकेगा।
- (5) कि भविष्य में उक्त मकान पर भारित सभी प्रकार के करों का भुगतान क्रेता स्वयं
करेगा।

उपर्युक्त के साक्ष्य स्वरूप उक्त दोनों पक्षकारों ने निम्नलिखित दो साक्षियों के समक्ष
उपर्युक्त स्थान एवं दिनांक पर अपने हस्ताक्षर कर दिए हैं।

साक्षीगण :-

(1)

(2)

हस्ताक्षर

(विक्रेता)

हस्ताक्षर

(क्रेता)